महत्वपूर्ण एवं खास

नदी में नहाने गए बच्चे गहरे पानी में डूबे, तीनों की मौत

बलरामपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से एक दुखद खबर प्रकाश में आईजिले के चनान नदी में डूबने से तीन मासूम बच्चों की मौत हो गई। गोताखोर की टीम ने तीनों बच्चों का शव बरामद किया है। जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र के नवाडीह गांव का मामला है। बताया जा है कि तीनों बच्चे नवाडीह गांव नहाने के लिए नदी आज सुबह गए थे। वहीं नदी के तेज बहाव में तीनों बच्चे एक-एक कर बह गए। बताया जा रहा है कि एक दूसरे को बचाने के चक्कर में तीनों मासूम डूब गए। नदी में तीन बच्चों के डूबने की सूचना पाकर मौके पर पहुंची गोताखोर की टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया। वहीं एक-एक कर तीनों की लाश बरामद किया। मौत की से गांव में मातम पसर गया।

छग शासन ने 2019 बैच के आईएएस परिवीक्षाधीन अधिकारियों की नवीन पदस्थापनाएं की

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ शासन के सचिवालय महानदी भवन मंत्रालय नवारायपुर के सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह द्वारा आज पांच 2019 बैच के परिवीक्षाधीन आईएएस अधिकारियों की नवीन पदस्थापनाएं लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी से फेस टू का प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटने के उपरांत नवीन जिलों में पदस्थापनाएं निम्नानुसार की गईं। जितेन्द्र यादव सहायक कलेक्टर दुर्ग से अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भानुप्रतापपुर जिला कांकेर, ललितादित्य नीलम सहायक कलेक्टर बिलासपुर से अनुविभागीय अधिकारी मोहला चौकी जिला राजनांदगांव, सुश्री नम्रता जैन सहायक कलेक्टर रायपुर से अनुविभागीय अधिकारी सरायपाली जिला महासमुंद, सुश्री रेना जमील सहायक कलेक्टर बस्तर से अनुविभागीय अधिकारी सारंगढ़ जिला रायगढ़ एवं विश्वदीप सहायक कलेक्टर सरगुजा से गरियाबंद पदस्थ किया गया है। जारी आदेश में पांचों स्थानांतरित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने पदस्थ जिलों में ज्वाईनिंग देने के लिए निर्देश सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव ने दिए हैं।

शराबी पिता से तंग आकर दो बेटियां ने की हत्या

राजनांदगांव (आरएनएस)। जिले के अम्बागढ़ चौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम भगवान टोला में दो नाबालिग बहनों ने अपने पिता को मौत के घाट उतार दिया, अंबागढ़ चौकी पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।अंबागढ़ चौकी थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बेलरगोंदी में एक अधेड़ की दो बहनों ने मिलकर हत्या कर दी, जिसकी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर मृतक सहदेव नेताम का पंचनामा पश्चात शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।अम्बागढ़ चौकी पुलिस ने बताया, परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक सहदेव नेताम शराब का आदी था, जो शराब सेवन करने के बाद आए दिन अपनी पत्नी व बच्चों को मारता पीटता था, सहदेव नेताम अपनी पत्नी को मारने के लिए टंगिया उठाया था, जिसमें उसकी दोनो बेटियों ने बीच-बचाव कर अपनी मां को बचाया। उसके बाद दो नाबालिग बेटियों ने पिता से तंग आकर टंगिया से मारकर हत्या कर दी।

पुलिस आरक्षक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

कोरबा (आरएनएस)। पुलिस लाइन में पदस्थ पुलिस आरक्षक ने फ ांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना कोरबा जिले के पुलिस लाइन की है। पुलिस के अनुसार मृतक आरक्षक पुलिस कालोनी में निवास करता था। आपको बताते चले कि कुछ दिन पहले ही पुलिस अधीक्षक के बंगले में पदस्थ आरक्षक एल गोविंदा राव द्वारा हाउसिंग बोर्ड कालोनी में अपने घर पर फांसी लगा कर खुदकुशी करने का मामला सामने आया था। वही पुलिस लाइन में पदस्थ विजेंद्र रात्रे नामक आरक्षक ने भी अपने घर पर खुदकुशी कर जान दे दी। बताया जा रहा है कि घर के अंदर उसकी लाश फांसी के फंदे पर लटकती मिली! जिसकी सूचना रामपुर चौकी पुलिस को दी गई।

पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल, थोक में पुलिस अधिकारियों का तबादला आदेश जारी, अधीक्षक स्तर के अधिकारी भी शामिल

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य के गृह (पुलिस) विभाग ने आज एक आदेश जारी कर भारतीय पुलिस सेवा और राज्य पुलिस अधिकारियों का थोक में तबादला किया है। जारी आदेश में 40 अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है, जिनमें पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी भी शामिल है।

विनीत खन्ना उप पुलिस महानिरीक्षक को कांकेर से उपपुलिस महानिरीक्षक नगर सेना एवं नागरिक सुरक्षा रायपुर, टी.एक्का सेनानी दूसरी वाहिनी छसबल सकरी बिलासपुर को उपपुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय रायपुर, बालाजी राव सोमावार पुलिस अधीक्षक जशपुर को उपपुलिस महानिरीक्षक कांकेर, दीपक कुमार झा पुलिस अधीक्षक बस्तर को पुलिस अधीक्षक बिलासपुर, जीतेन्द्र सिंह मीणा पुलिस अधीक्षक बालोद को पुलिस अधीक्षक बस्तर, प्रशांत कुमार अग्रवाल पुलिस अधीक्षक बिलासपुर को पुलिस अधीक्षक दुर्ग, सुश्री पारूल माथुर पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा को पुलिस अधीक्षक गरियाबंद, केएल ध्रुव पुसिल अधीक्षक सुकमा को सेनानी दूसरी वाहिनी छसबल सकरी बिलासपुर, अमित तुकाराम काम्बले सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय रायपुर को पुलिस अधीक्षक सरगुजा, अभिषेक मीणा पुलिस अधीक्षक कोरबा को पुलिस अधीक्षक रायगढ़, सदानंद कुमार सेनानी 16 वाहिनी छसबल नारायणपुर को पुलिस अधीक्षक बालोद, गिरजाशंकर जायसवाल सेनानी 13 वाहिनी छसबल कोरबा को पुलिस अधीक्षक मुख्यमंत्री सुरक्षा रायपुर, अरविंद कुजुर पुलिस अधीक्षक मुगेंली को पुलिस अधीक्षक बेमेतरा, संतोष कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक रायगढ़ को पुलिस अधीक्षक कोरिया, आशुतोष सिंह सेनानी 4थीं वाहिनी छसबल माना रायपुर को सेनानी 13वीं वाहिनी छसबल कोरबा, मोहित गर्ग पुलिस अधीक्षक नारायणपुर को पुलिस अधीक्षक कवर्धा, भोजराज पटेल पुलिस अधीक्षक गरियाबंद को पुलिस अधीक्षक कोरबा, जितेन्द्र शुक्ला सेनानी 17वीं वाहिनी छसबल कवर्धा को सेनानी 16वीं वाहिनी छसबल नारायणपुर, शलभ कुमार सिन्हा पुलिस अधीक्षक कवर्धा को पुलिस अधीक्षक कांकेर, श्रीमती भावना गुप्ता सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय रायपुर को पुलिस अधीक्षक सूरजपुर, चन्द्रमोहन सिंह पुलिस अधीक्षक कोरिया को सेनानी 4थीं वाहिनी छसबल माना रायपुर, दिव्यांग कुमार पटेल पुलिस अधीक्षक बेमेतरा को पुलिस अधीक्षक महासमुंद, सूरज सिंह पुलिस अधीक्षक गौरेला पेण्ड्रा मरवाही को राज्यपाल के परिसहाय राजभवन रायपुर, यू उदय किरण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नारायणपुर को पुलिस अधीक्षक नारायणपुर, त्रिलोक बंसल राज्यपाल के परिसहाय राजभवन रायपुर को पुलिस अधीक्षक गौरेला पेण्ड्रा मरवाही, प्रशांत कुमार ठाकुर पुलिस अधीक्षक दुर्ग को पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा, राजेश कुकरेजा पुलिस अधीक्षक सूरजपुर को पुलिस अधीक्षक (रेल) रायपुर, बीपी राजभानु पुलिस अधीक्षक धमतरी को सेनानी 12वीं वाहिनी छसबल रामानुजगंज, एमआर अहीरे पुलिस अधीक्षक कांकेर को सेनानी 7वीं वाहिनी छसबल भिलाई, विजय अग्रवाल सेनानी 7वीं वाहिनी छसबल भिलाई को पुलिस अधीक्षक रायपुर, शशि मोहन सिंह सेनानी 9वीं वाहिनी छसबल दंतेवाड़ा को सेनानी 5वीं वाहिनी छसबल जगदलपुर, आजाद शत्रु बहादूर सेनानी 5वीं वाहिनी छसबल जगदलपुर को सेनानी 9वीं वाहिनी छसबल दंतेवाड़ा, टीआर कोसिमा पुलिस अधीक्षक सरगुजा को सेनानी 17वीं वाहिनी छसबल कवर्धा, दुखुराम आंचड़ा सेनानी 12वीं वाहिनी छसबल रामानुजगंज को पुलिस अधीक्षक मुंगेली, सुनील शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अम्बिकापुर को पुलिस अधीक्षक सुकमा, अंकिता शर्मा नगर पुलिस अधीक्षक आजाद चौक रायपुर को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बस्तर, अंजनी वार्ष्णेय नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली रायपुर को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) सुकमा। यदुवेल्ली अक्षय कुमार नगर पुलिस अधीक्षक उरला रायपुर को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) नारायणपुर, प्रफुल्ल ठाकुर पुलिस अधीक्षक महासमुंद को पुलिस अधीक्षक धमतरी, जेआर ठाकुर पुलिस अधीक्षक (रेल) रायपुर को सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय रायपुर भेजा गया है।

देह व्यापार करते दलाल सहित 5 युवती गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। टिकरापारा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ईश्वर नगर नहरपारा के एक मकान में दबिश देकर देह व्यापार का संचालन करते हुए दलाल सहित 5 युवतियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को कुछ दिनों से शिकायत मिल रही थी कि ईश्वर नगर नहरपारा के एक मकान में कुछ दिनों से संदिग्ध युवतियों और युवकों का आना-जाना लगा हुआ। इस शिकायत के बाद टिकरापारा पुलिस के एक जवान को ग्राहक बनाकर मंगलवार की रात करीब साढ़े 10 बजे मौके पर भेजा गया। जवान ने यहां पर पुरुष दलाल जागेश्वर साहू से सौदा तय किया, जिसके बाद जवान के इशारा करने पर पुलिस की टीम ने मकान में दबिश दी। टीम जब मौके पर पहुंची तो मकान के अंदर का नजारा देखकर दंग रह गई। मकान के अंदर एक महिला और चार युवतियां संदिग्ध स्थिति में थे। पुलिस ने सभी युवतियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही मकान के अंदर से कई आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया है। पकड़ी गई युवतियां रायपुर के गुढ़ियारी बाजारपारा, कचना हाउसिंग बोर्ड, ईश्वर नगर टिकरापारा और गोबरा नवापारा की रहने वाली है। वहीं पुरुष दलाल जागेश्वर साहू रावांभाटा का रहने वाला है।

प्रदेश में 7 से 16 तक मनाया जाएगा वजन त्यौहार

» पांच वर्ष तक के बच्चों में पोषण स्तर और किशोरियों में हीमोग्लोबिन की होगी जांच

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में 05 वर्ष से कम आयु के बच्चों में पोषण स्तर के आंकलन के लिए 07 जुलाई से 16 जुलाई तक सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में वजन त्यौहार का आयोजन किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पूर्व वर्षों में आयोजित वजन त्यौहार की भांति इस वर्ष भी आंगनबाड़ी केन्द्रों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मशीन से बच्चों का वजन लिया जाएगा। वजन त्यौहार में किशोरी बालिकाओं का

हीमोग्लोबिन टेस्ट कराने के साथ ही उनका बीएमआई भी ज्ञात किया जाएगा। इसके लिए आंगनवाड़ी केन्द्र में आने वाली 11 से 18 वर्ष की सभी किशोरी बालिकाओं को इस अभियान में शामिल कर स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय से टेस्ट कराया जाएगा। इससे किशोरियों में एनीमिया का स्तर पता कर उसके नियंत्रण में मदद मिलेगी। वजन त्यौहार में जनप्रतिनिधियों और समुदाय की सक्रिय सहभागिता भी ली जाएगी।

उल्लेखनीय है कि वजन त्यौहार से के दौरान एक निर्धारित तिथि में बच्चों का वजन लेकर ऑनलाईन सॉफ्टवेयर में डाटा एंट्री कर पोषण स्तर ज्ञात किया जाता है। प्रत्येक बच्चे की जानकारी सॉफ्टवेयर में दर्ज कर राज्य में कुपोषित बच्चों की स्थिति का डाटाबेस तैयार किया जाता है। इस आधार पर कुपोषण कम करने की कार्ययोजना तैयार की जाती है। किन विशेष स्थानों या वर्गों में कुपोषण ज्यादा है, यह भी स्पष्ट होने से उनके लिए विशेष योजना बनायी जा सकती है। कुपोषण के निर्धारण के लिए उसके तीन मापदण्डों अल्प वजन, बौनापन और दुर्बलता का आंकलन किया जाना आवश्यक है। पहले अल्प वजन के आधार पर कुपोषण का आंकलन किया जाता था। वर्तमान में प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में वजन मशीन उपलब्ध है तथा ऊंचाई मापन हेतु हाईट चार्ट भी प्रदाय कर दिया गया है। बौनापन एवं दुर्बलता के मापन हेतु सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में अब साधन उपलब्ध है। जिससे वजन त्यौहार में आयु, वजन के साथ-साथ बच्चों की ऊंचाई की जानकारी लेकर कुपोषण का आकलन किया जाएगा।

पुरातन परंपराओं की ओर लौटें, नई पीढ़ी को स्वस्थ पर्यावरण प्रदान करें - राज्यपाल

» राज्यपाल प्राकृतिक खेती कार्यशाला के समापन कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से हुई शामिल

रायपुर (आरएनएस)। अब समय आ गया है कि हम हम अपनी पुरातन परंपराओं की ओर लौटें साथ ही उसे पूरी तरह क्रियान्वित करें, जिससे हम वातावरण को स्वस्थ, प्रदूषण रहित बनाएं, बीमारियों से बचें और नई पीढ़ी को एक स्वस्थ पर्यावरण प्रदान करें, जिसमें वे प्राकृतिक रूप से जीवन जीएं। यह बात राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने आज अखिल भारतीय विश्व गायत्री परिवार द्वारा वर्चुअल रूप से आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

राज्यपाल ने कहा कि गायत्री परिवार पूरे विश्व कल्याण के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इसके लिए अलग-अलग प्रकार के आयोजन करता रहता है। उनका उद्देश्य विश्व में एक पवित्र वातावरण का निर्माण करना, पर्यावरण संरक्षण करना तथा नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाना है। प्राकृतिक खेती के लिए ऑनलाईन प्रशिक्षण सराहनीय कार्य है। साथ ही इसका आयोजन ऐसी परिस्थिति में किया गया जब हम सभी ने प्रकृति के अनुकुल कार्य न करने के कारण भयंकर त्रासदी झेली है।

सुश्री उइके ने कहा कि साठ के दशक से हरित क्रांति के लिए अपनाई गई अधिकाधिक रसायनों उर्वरक कीटनाशक एवं खरपतवार नाशकों एवं सिंचाई के उपयोग पर आधारित प्रौद्योगिकी से जहां खाद्यान्न उत्पादन बढ़ा है, वहीं दूसरी तरफ आधुनिक भारतीय कृषि कई गंभीर समस्याओं से जूझ रही है। अनावश्यक रूप से रासायनिक खादों और कई तकनीकों का उपयोग के कारण खेती की लागत में कई गुना वृद्धि हुई है। कीटनाशकों की विषाक्तता से उत्पादित अन्न, सब्जी, फल एवं दुग्ध के माध्यम से मनुष्य के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इसका समाधान अब प्राकृतिक संसाधनों का समुचित, नियंत्रित उपयोग एवं पोषण पर आधारित प्राकृतिक खेती से ही संभव हो पाएगा।

राज्यपाल ने कहा कि प्राकृतिक खेती को जीरो बजटिंग खेती की उपमा दी जाती है। प्राकृतिक खेती करने से खेती पर लागत न्यूनतम हो जाती है, क्योंकि यह देशी गाय के गौमूत्र, गोबर तथा अन्य प्राकृतिक उत्पादों पर आधारित है। एक सामान्य प्रशिक्षण के उपरांत कोई भी किसान इसे आसानी से कर सकता है क्योंकि उनके लिए कोई नई चीज नहीं है। यह वही है जो हमारे संस्कृति और परंपराओं में समाई हुई है और कई सालों से इसका उपयोग करते रहे हैं।

पत्रकार के घर देर रात घुसकर की मारपीट और दी जान से मारने की धमकी

» पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी के खम्हारडीह थाना क्षेत्र के गायत्री नगर इलाके में देर रात वरिष्ठ पत्रकार मृगेंद्र पांडेय के घर घुसकर मारपीट करने का मामला सामने आया है।

मामले की जानकारी देते हुए खम्हारडीह थाना प्रभारी ममता शर्मा अली ने बताया कि आरोपी मुकेश सिंह ने पत्रकार मृगेंद्र पांडेय से घर के बाहर रखे गिट्टी को लेकर विवाद किया और गाली-गलौच करते हुए मारपीट की, साथ ही आरोपी मुकेश ने अपने परिवार के साथ मिलकर पत्रकार मृगेंद्र के घर के अंदर घुसकर जान से मारने की भी धमकी दी। मामले की सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस टीम को आरोपी की गिरफ़्तारी के लिए रवाना किया गया जिसके बाद अब आरोपी पुलिस की गिरफ़्त में है।

थाना प्रभारी शर्मा ने बताया कि आरोपी मुकेश सिंह के खिलाफगैर जमानतीय धाराओं के तहत मामला दर्ज की गई है व उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है। वही अन्य फरार आरोपियों की पतासाजी के लिए पुलिस टीमें जुटी हुई है।

भू-जल स्तर बढ़ाने का सबसे सस्ता और प्रभावशाली उपाय है रेतीली नदियों और नालों में मिट्टी का डाइक बनाना - मुख्यमंत्री

» जल संसाधन, वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य में भू-जल स्तर में वृद्धि के लिए रेतीली नदियों और नालों में उपयुक्त स्थान पर डाइकवाल बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि भू-जल स्तर बढ़ाने का यह सबसे सस्ता और प्रभावशाली उपाय है। नदी-नालों के रेतीले पाट में मिट्टी का डाइकवाल बनाने से पाट के अंदरूनी सतह में पर्याप्त मात्रा में जल संग्रहित होता है, जिसकी वजह से ऐसे नदी-नालों के किनारे स्थित गांवों में गर्मी के दिनों में भी हैण्ड पम्प, नलकूप और कुओं का जल स्तर बना रहता है और उस इलाके के भू-जल स्तर में भी वृद्धि होती है। मुख्यमंत्री ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन एवं वन विभाग के अधिकारियों को ऐसे नदी-नालों को चिन्हित कर उपयुक्त स्थानों पर डाइकवाल निर्माण की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में जल संसाधन, वन एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। बैठक में कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रीमती रेणु जी पिल्ले, प्रमुख सचिव वन मनोज पिंगुआ, प्रधान मुख्य वन संरक्षक राकेश चतुर्वेदी, सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास प्रसन्ना आर, सचिव जल संसाधन अविनाश चंपावत, मुख्यमंत्री के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी उपस्थित थे।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना का लाभ इसी वित्तीय वर्ष से

» राज्य के लगभग 12 लाख ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूरों को मिलेगा लाभ

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि राज्य के ग्रामीण अंचल के भूमिहीन कृषि मजदूरों को आर्थिक मदद देने के लिए राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना इसी वित्तीय वर्ष से लागू होगी। इसका लाभ राज्य के लगभग 12 लाख ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूरों को मिलेगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज अपने निवास कार्यालय में कृषि, जल संसाधन, राजस्व, वन विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना से हितग्राहियों को लाभान्वित किए जाने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे, राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल विशेष रूप से मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पहले ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूरों के बैंक खातों में राशि दी जाएगी। कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में यह योजना राज्य की तीसरी ऐसी महत्वपूर्ण योजना है, जिसके जरिए हम ग्रामीण भूमिहीनों मजदूरों को सीधे मदद देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित राजीव गांधी किसान न्याय योजना और गोधन न्याय योजना दो ऐसी योजनाएं हैं, जिनकी चर्चा देश-दुनिया में हो रही है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के जरिए किसानों को फसल विविधीकरण एवं उत्पादन व उत्पादकता को बढ़ाने के लिए आदान सहायता (इनपुट सब्सिडी) के रूप में बहुत बड़ी धन राशि दे रहे हैं, किसानों को ऐसी मदद देश की कोई भी सरकार नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि गोधन न्याय योजना के जरिए हम राज्य के गोपालकों, किसानों से दो रूपए किलो की दर से गोबर की खरीदी कर उन्हें सीधे लाभ दे रहे हैं। पूरे हिन्दुस्तान में कहीं भी ऐसी योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजूदरों को सीधे मदद देने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुरूप राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना लागू करने जा रहे हैं। यह योजना भी छत्तीसगढ़ सरकार की लोकहितैषी योजना होगी।